मुंडे का असमय जाना महाराष्ट्र शुगर इंडस्ट्री के लिए झटका

[जयश्री भोंसले | पुणे]

शुगर इंडस्ट्री गोपीनाथ मुंडे के अचानक निधन से सदमे में है। शरद पवार के मंत्रिपद से हटने के बाद सरकार में इस सेक्टर की सबसे दमदार आवाज मुंडे ही थे। उनका जन्म गन्ना पैदा करने वाले समुदाय में हुआ था, जो आगे चलकर शुगर दिग्गज बना। उन्होंने मिलों और वर्कर्स के मसलों को अलग तरह से उठाकर इनके बीच टकराव को पैदा होने से रोका।

शुगर इंडस्ट्री के नुमाइंदों ने कुछ दिन पहले ही मुंडे से मुलाकात की थी। उन्होंने कुछ ऐसे फैसले किए थे, जिनका महाराष्ट्र में इस इंडस्ट्री पर व्यापक असर हुआ। महाराष्ट्र देश में सबसे ज्यादा शुगर पैदा करने वाला राज्य है। इंडस्ट्री उम्मीद कर रही थी कि उसके सामने बने हुए कुछ मसलों को सुलझाने में मुंडे मदद करेंगे। मोदी सरकार में महाराष्ट्र के दिग्गज नेता नितिन गडकरी भी कैबिनेट मिनिस्टर हैं, लेकिन वह विदर्भ रीजन से आते हैं, जो शुगर हब नहीं है। महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव बाबर के मुताबिक, 'हम खुश थे कि हमें केंद्र में ऐसा प्रतिनिधि मिल गया है, जो शुगर इंडस्ट्री को अच्छी तरह से समझता है। लीज पर कई शुगर मिलों को सफलतापूर्वक चला चुके मुंडे को इस बिजनेस की गहरी समझ थी। अब वह नहीं हैं, इसलिए हमें चिंता है कि इंडस्ट्री के सामने मौजूद दिक्कतों पर कौन गौर करेगा?'

महाराष्ट्र की शुगर इंडस्ट्री पश्चिमी महाराष्ट्र में केंद्रित है। इस पर कांग्रेस और एनसीपी नेताओं का दबदबा है। इनमें से ज्यादातर मराठा हैं। मराठवाड़ा से आने के बावजूद मुंडे ने इस कांग्रेस-एनसीपी वर्चस्व को चुनौती दी।

मुंडे से शुगर इंडस्ट्री के सामने मौजूद जिन मसलों को निपटाने में मदद की उम्मीद की जा रही थी, उनमें शुगर की अतिरिक्त सप्लाई और रॉ शुगर एक्सपोर्ट्स के लिए सब्सिडी में कटौती शामिल हैं। वेस्टर्न इंडिया शुगर मिल्स एसोसिएशन (विस्मा) के सेक्रेटरी बी बी थॉम्ब्रे ने कहा, 'हमने उन्हें एक आवेदन दिया था कि रॉ शुगर एक्सपोर्ट्स पर 3,300 रुपये प्रति टन की सब्सिडी बहाल की जाए और 40 फीसदी की इंपोर्ट ड्यूटी लगाई जाए और पेट्रोल में एथनॉल की ब्लेंडिंग को मौजूदा 5 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी किया जाए।'

मुंडे के कैबिनेट में आने के बाद से शुगर इंडस्ट्री और किसानों के संगठन एथनॉल ब्लेंडिंग फीसदी में इजाफे की उम्मीद कर रहे थे।

स्वाभिमानी शेतकरी संगठन के लीडर राजू शेट्टी एथनॉल ब्लेंडिंग की मांग कर रहे हैं क्योंकि इससे शुगर मिलों को गन्ने का ज्यादा मूल्य देने में मदद मिलती है।

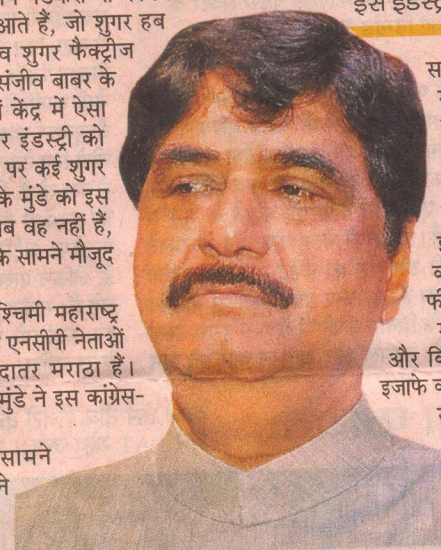

क्यों मुंडे को याद कर रही है इंडस्ट्री

- शरद पवार के मंत्रिपद से हटने के बाद सरकार में इस सेक्टर की सबसे दमदार आवाज मुंडे ही थे
- गोपीनाथ का जन्म गन्ना पैदा करने वाले समुदाय में हुआ था, जो आगे चलकर शुगर दिग्गज बने
- शुगर इंडस्ट्री उम्मीद कर रही थी कि उसके सामने बने हुए कुछ मसलों को सुलझाने में मुंडे मदद करेंगे
- महाराष्ट्र की शुगर इंडस्ट्री पश्चिमी महाराष्ट्र में केंद्रित है। इस पर कांग्रेस और एनसीपी नेताओं का दबदबा है
- मुंडे ने कुछ ऐसे फैसले किए थे, जिनका महाराष्ट्र में इस इंडस्ट्री पर व्यापक असर हुआ

Economic Times

5/6/14